सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

हिंदी विभाग

अनुवाद पदविका पाठ्यक्रम

उद्देश :

1. अनुवाद कौशल विकास की दृष्टि से शिक्षार्थी का मार्गदर्शन करना।
2. अनुवाद के प्रकार्य और तद्विषयक समस्याओं के बारे में जानकारी देना।
3. अनुवाद प्रक्रिया के सैद्धांतिक पक्ष के बारे में शिक्षार्थी की जागरूकता बढ़ाना।
4. हिंदी–मराठी–अंग्रेजी भाषाओं के पारस्परिक अनुवाद संबंधी मार्गदर्शन एंव अभ्यास कराना।
5. शिक्षार्थी को अनुवाद कार्य के लिए योग्य बनाना।

पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र एक से तीन ''लिखित प्रश्नपत्र''

प्रश्नपत्र 1 - अनुवाद संबंधी प्रगत परिकल्पना

लिखित परीक्षा

कुल अंक – 100

प्रश्नपत्र 2 - अनुवाद प्रक्रियागत आयाम

लिखित परीक्षा : 60 अंक – पाठ्यक्रम, 40 अंक – अनुवाद परिच्छेद

कुल अंक – 100

प्रश्नपत्र 3 - अनुवाद अर्थविषयक विविध समस्याएँ

लिखित परीक्षा – 60 अंक – पाठ्यक्रम, 40 अंक – अनुवाद परिच्छेद

कुल अंक – 100

प्रश्नपत्र 4 - निर्दिष्ट कार्यकल्प

70 अंक – लिखित, 30 अंक मौखिक/शैक्षणिक यात्रा

कुल अंक – 100

प्रश्नपत्र 1

अनुवाद संबंधी प्रगत परिकल्पना

1. अनुवाद स्वरूप : परिभाषाएँ, पर्यायवाची शब्दों का विवेचन, अनुवाद और समतूल्यता, अनुवाद–कला या विज्ञान।
2. अनुवाद का महत्व : उपयोगिता एंव व्याप्ति।
3. अनुवाद प्रक्रिया : क) पाठ पठन, विश्लेषण, भाषातंरण, समायोजन, स्रोत पाठ से तुलना
   ख) प्रक्रियागत स्थितियाँ : अर्थयोग, अर्थहानी अर्थांतरण, अधिकानुवाद, न्यूनानुवाद।
4. भाषा संरचना और अनुवाद : भाषा की आधारभूत इकाई, भाषिक सृजनात्मकता और साहित्यिक सृजनात्मकता।
5. अनुवाद और सृजनात्मकता : अनुवाद और मूल रचना में सृजनात्मकता का स्वरूप और संभावना।
6. अनुवाद के प्रकार : क) भाषा की अभिव्यक्ति के आधार पर गद्यानुवाद, पद्यानुवाद।
   ख) विषय के आधार पर :
   1) साहित्यिक – काव्यानुवाद, नाट्यानुवाद, कथानुवाद।
   2) साहित्येतर – कार्यालयी, वैज्ञानिक–तकनीकी, व्यवसाय–वाणिज्य, विधि आदि।
   ग) अनुवाद की प्रकृति के आधार पर :
      1. मूलनिष्ठ, मूलमुक्त।
      2. शब्दानुवाद, नावानुवाद, सारानुवाद, व्याख्यानुवाद, रूपांतरण।
   घ) माध्यम के आधार पर : मौखिक, लिखित।
   ड) साधन के आधार पर : यंत्रानुवाद।
7. अनुवाद और शैली विचार :
   अनुवाद रचना के संदर्भ में आशय और अभिव्यक्ति के संतुलन की आवश्यकता
   विविध शैलियाँ – निर्वाह एंव परिवर्तन की संभावना।
8. अनुवाद और दुभाषिया : योग्यता एंव आचार – संहिता।
9. अनुवाद का परिक्षण एंव मूल्यांकन, आवश्यकता और निकष अर्थ, शैली तथा प्रभावगत सममूल्यता।

***

प्रश्नपत्र 2
अनुवाद प्रक्रियागत आयाम

1. दो भाषाओं में अंतर :

   व्यतिरेकी विश्लेषण,

   शब्दावली, पदरचना,

   वाक्यविन्यास,

   अर्थ (हिंदी–मराठी और हिंदी–अंग्रजी के संदर्भ में)

2. अनुवाद का सामाजिक, सांस्कृतिक एंव प्रादेशिक पक्ष :

   सामाजिक संरचना, सामाजिक संस्थाएँ,

   मौलिक एंव वैचारिक सांस्कृतिक भेद (हिंदी–मराठी और हिंदी–अंग्रेजी के संदर्भ में)

3. साहित्यिक अनुवाद : स्वरूप और विशेषताएँ।

4. अनुवाद कार्य और पारिभाषिक शब्दावली :

   पारिभाषिक शब्दों का स्वरूप और निर्माण,

   तकनीकी एंव अर्ध तकनीकी सामग्री के अनुवाद में पारिभाषिक शब्दों की उपयोगिता हिंदी–मराठी और हिंदी–अंग्रेजी के संदर्भ में पारिभाषिक शब्दावली की जानकारी और प्रयोग का अभ्यास अपेक्षित है।

5. तकनीकी एंव अर्धतकनीकी सामग्री का अनुवाद :

   स्वरूप एंव विशेषताएँ (वैज्ञानिक, वाणिज्य, व्यवसाय, बैंक, कार्यालय इ. क्षेत्रों के संदर्भ में)

6. प्रसार माध्यमों के लिए सामग्री :

   स्वरूप और विशेषताएँ

   प्रसार माध्यमों की सामग्री का अनुवाद : स्वरूप और विशेषताएँ– समाचारपत्र, रेडिओ, दूरदर्शन पर प्रसारित सामग्री – समाचार, विज्ञापन, फिल्म डबिंग, भाषण, आदि का अनुवाद, अभ्यास।

7. अनुवाद कार्य :

   सहायक साधनों के उपयोग का महत्व–सावधानी एवं अभ्यास।
   कोश (द्विभाषिक, त्रिभाषिक, संकल्पना विषयक आदि)
   सूवियाँ विषय विशेष के संदर्भ ग्रंथ आदि
   मशीनी अनुवाद : संगणक, शब्दसंसाधक (वर्ड प्रोसेसर)
   प्रोग्रामिंग : स्वरूप एवं सीमाएँ

***

प्रश्नपत्र 3
अनुवाद अर्थविषयक विविध समस्याएँ

1. अनुवाद और लिप्यंतरण :

   लिप्यंतरण का स्वरूप, आवश्यकता और समस्याएँ। (रोमन और देवनागरी के संदर्भ में)

2. अनुवादानुकूलता के विविध आयाम :

   स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा : परस्पर संबंध, पाठ विषय और लक्ष्य भाषा संबंध।

3. अनुवाद और अनुवाद्यता :

   लिप्यंतरण और पादटिप्पणी।

4. अनुवाद की समस्याएँ :

   अनुवाद अंग्रेजी हिंदी के पारस्परिक अनुवाद में उत्पन्न समस्याएँ।

5. भारतीय भाषाओं में अनुवाद :

   मराठी का अन्य भारतीय भाषाओं से हिंदी में तथा हिंदी से मराठी में या
   अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद का स्वरूप, विशिष्टताएँ एंव समस्याएँ,
   शब्दसंपदा, भाषा संरचना, साहित्य परंपरा, सांस्कृतिक परिवेश, क्षेत्रीयता आदि संदर्भ –
   सोदाहरण विवेचन, अभ्यास।

6. मुहावरों, कहावतों, विशिष्ठ वाक्याशों और अलंकारिक अभिव्यक्ति का अनुवाद।

7. अनूदित साहित्य :

   मराठी तथा अन्य भारतीय भाषाओं से हिंदी में अनूदित साहित्य विषयक जानकारी तथा विविध साहित्य विधाओं के अनुवादों में लक्षित समस्याओं का स्वरूप।

***

प्रश्नपत्र 4
(अ) निर्दिष्ट कार्यकल्प

अनुवाद पदविका (डिप्लोमा) के प्रत्येक छात्र को निम्नलिखित निर्दिष्ट कार्य निर्धारित अवधि में पूरा कर प्रस्तुत करना होगा।

अ) स्वाध्याय : उपविषयों से संबंधित अध्यापकों द्वारा गृहकार्य के रूप में दिए गए कम से कम दस स्वाध्याय।

प्रकल्प : इसके अतंर्गत निम्नलिखित अनुवाद कार्य अपेक्षित है। (मराठी से हिंदी या अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद)

साहित्यिक विधा :

1. कहानी (कम से कम 5 कहानियाँ – 50 पृष्ठ)

   अथवा

2. उपन्यास (कम से कम 50 पृष्ठ)

   अथवा

3. नाटक (कम से कम 50 पृष्ठ)

   अथवा

4. एकांकी (कम से कम 50 पृष्ठ)

   अथवा

5. कविता (कम से कम 50 पृष्ठ)

   अथवा

6. अन्य साहित्यिक विधा (किसी एक विधा का अनुवाद 50 पृष्ठ)

(अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद : कृषि, विधि, विज्ञान, वाणिज्य, सेना आदि से संबंधित सामग्री–कम से कम 25 पृष्ठों का अनुवाद किया जाए। किन्हीं दो विषयों की सामग्री का अनुवाद कर सकते है।)

ब) मौखिक परीक्षा : 30

विशेष सूचना :

पदविका पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होने के लिए छात्र को प्रत्येक प्रश्नपत्र में 35 अंकों की आवश्यकता है।

प्रथम श्रेणी : 60 प्रतिशत

द्वितीय श्रेणी : 50 प्रतिशत

***